not present in the House, naturally you would not know what has happend.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: I am only referring to a convention.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Which convention?

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Can the Government bypass the Parliamentary Standing committee and come straight to the House on an issue which ought to have been discussed there? That is my point.

THE DEPUTY CHAIRMAN: In the committee?

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: In the Parliamentary Standing Committee of Finance, it was not discussed.

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY (Andhra Pradesh): We are Members of the Standing Committee on Finance. These issues have not been discussed there but are listed here. That is why there is a surprise. *(Interruptions)*

SHRI PRANAB MUKHERJEE: I would like to draw your attention, Madam, to the convention with regard to the Parliamentary Standing Committee. I am afraid, what Mr. Gurudas is saying is not *ipso facto.* To my understanding, the standing instructions given by the speaker and the Chairman are that if a Bill is considered fit by the Speaker or the Chairman of the House to be referred to a Standing Committee, then and then only that Bill is considered in a Standing Committee. It would be a totally wrong interpretation to assume that each and every piece of legislation would automatically be discussed in the Standing Committee. I wanted to clarify this position.

THE DEPUTY CHAIRMAN: What Mr. Pranab Mukherjee is saying is absolutely correct. If the Chairman or the Speaker feels that a particular Bill or legislation is to be referred to a Standing Committee, then only it would be referred. If the Chairman or the Speaker in their wisdom do not sent it to the Standing Committee, it would directly come to the Hosue. As far as th Depository Bill is concerned, it was cleared by the Business Advisory Committee. कल आप नहीं थे मींटिंग में, आपने नहीं देखा कि क्या डिस्कशन हुआ । डिसीजन एनाऊंस हो गया है । अब यह मैटर क्लोज हो गया । Now we are taking up zero Hour mentions. Shri Bratin Sengupta, not here. Shri Salim?

[The Vice-Chairman (Shri Ajit P. K. Jogi) *in the Chair]*

RE. POLICE FIRING IN BANARAS HINDU UNIVERSITY

कल आप नही थे मीटिग में,आपने नही देखा कि क्या डिस्कशन हुआ। डिसीजन एनाऊस हो गया है। अब यह मैटर क्लोज हो गया।

श्री महोम्मद सलीम (पश्चिमी बंगाल) : महोदय, मै एक गंभीर विषय की ओर आपका और सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। महोदय, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी जो केन्द्र सरकार की एक संस्था है, वहां पर जो गंभीर स्थिति उत्पन्न हुई है उस ओर मै सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। महोदय, आप जानते है कि वहां फायरिंग हुई और 4 विद्यार्थी शहीद हुये और आज भी वह विश्वविद्यालय बंद पड़ा हुआ है और होस्टल खाली कर देने के लिये कहा गया है। महोदय, पिछले कई बरसों से तमाम विश्वविद्यालयों में जो नीति चलाई जा रही है और उससे जो स्थिति पैदा हो रही है, उससे विद्यार्थियों में कापने अंसतोष है। चाहे वह शिक्षा के मुद्दे के बारे में हो, चाहे वह फीस के बारे में हो, चाहे वह दूसरी चीजों के बारे में हो, वहां बहुत अंसतोष है। महोदय, आपको मालूम है कि हमने कई बार इस इशू को यहां पर उठाया है। पिछले 5 सालों में जिस तरह से विश्वविद्यालयों की ग्राट्स को फ्रीज किया गया है, उससे इस तरह की शिकायत विद्यार्थियों में पैदा हुई है और वे सड़कों पर उतर आए है। लेकिन उनको रोकने का रास्ता यह नही है कि पुलिस ऐथारिटी इंटरवीन करे और गोली चले और स्टडेंटस मारे जाएं और होस्टल खाली कर दिये जाएं।

महोदय, विश्वविद्यालय को बंद करके या होस्टल खाली करवाकर हम इस समस्या का समाधान नही कर सकते है। विश्वविद्यालय चालू रहने चाहिये और विद्यार्थी वहां होने चाहिये। विद्यार्थीयों की समस्याओं को सुलझाने के लिये आपको कोशिश करने पड़ेगी, एच. आर.डी. मिनिस्ट्री को इंटरवीन करना पड़ेगा क्योकि यह सेट्रल यूनिवर्सिटी है। महोदय, यह स्थिति सिर्फ बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय की नही है बल्कि दूसरे विश्वविद्यालयों मे भी वही स्थिति होने जा रही है। दूसरी जो स्टेट

यूनिवर्सिटीज है, वहां भी यही होगा। अगर हम यूनिवर्सिटी के लिये गये ऐलोकेशन को पूरा नही करते है और विद्यार्थियों के असंतोष का जो कारण है, उसको दूर नही करते है तो इस समस्या का समाधान नही होगा। इसका समाधान हम गोली चलाकर नही कर सकते है।

महोदय, मै आपके माध्यम से बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय को चालू करने की मांग करता हूं। मै विद्यार्थियों की मांगो को पूरा करने की भी मांग करता हूं। मै यह भी मांग करता हूं। कि वहां जो फायरिग हुई थी, उसकी जुडिशियल इक्वायरी कराई जाए। मै चाहता हूं कि सरकार इस मामले में जल्द से जल्द इंटरवीन करके छात्रों के असंतोष को दूर करे।

†**شری محمد سلیم پشچمی بنگال"** : مہودے ، میں ایک گمبھیر وشیے کی اور آپکا اور سدن کا دھیان آکرشت کرنا چاہتا ہوں۔ مہودے، بنارس ہندو یونیورسٹی جو کیندر سرکار کی ایک سنستھا ہے ، وہاں پر جو گمبھیر استتھی اتپن ہوئی ہے اس اور میں سرکار کا دھیان آکرشت کرنا چاہتا ہوں۔ مہودے، آپ جانتے ہیں کی فائرنگ ہوئی اور ۴ ودیارتھی شہید ہوئے اور آج بھی وہ وشو ودلیہ بند پڑا ہے اور ہوسٹل خالی کر دینے کیلئے کہا گیا ہے۔ مہودے، پچھلے کئی برسو سے تمام وشو ودیالیوں میں جو نیتی چلائی جا رہی ہے اور اس سے جو استتھی پیدا ہو رہی ہیں، اس سے ودیارتھیوں میں کافی آسنتوش ہے۔ چاہے وہ سکشا کے مودے کے بارے میں ہو، چاہے وہ فیس کے بارے میں ہو، چاہے وہ دوسری چیزوں کے بارے میں ہوں، وہاں بہت اسنتوش ہے۔ مہودے ، آپکو معلوم ہے کی ہمنے کئی بار ایشو کو یہاں پر اٹھایا ہے۔ پچھلے پانچ سالوں میں جس طرح سے وشو ودیالیوں کی گرانٹس کو فریز کیا گیا ہے، اس سے اس طرح کی شکایت ودیارتھیوں میں پیدا ہوئی ہے اور وہ سڑکو پر اتر آئے ہیں۔ لیکن انکو روکنے کا راستہ یہ نہیں ہے کی پولیس ایتھارٹی انٹروین کرے اور گولی چلے اور اسٹوڈنٹس مارے جایئں اور ہوسٹل خالی کر دئے جایئں۔

مہودے وشوودیالیوں کو بند کرکے یا ہوسٹل خالی کرواکر ہم اس سمسیا کا سمادھان نہیں کر سکتے ہیں۔ وشوودیالیہ چالوں رہنے چاہئیے اور ودیارتھی وہاں ہونے چاہئیے۔ ودیارتھیوں کی سمسیاوں کو سلجھانے کیلئے آپکو کوشش کرنے پڑیگی، ایچ۔ آر۔ڈی۔ منسٹری کو انٹروین کرنا پڑے گا کیوکہ یہ سینٹرل یونیورسٹی ہے۔ مہودے، یہ استتھی صرف بنارس ہندو یونیورسٹی کی نہیں ہے بلکہ دوسرے یونیورسٹیز میں بھی وہی استتھی ہونے جا رہی ہے۔ دوسری جو اسٹیٹ یونیورسٹیز ہیں، وہاں بھی یہی ہوگا۔ اگر ہم یونیورسٹی کے لئے کئے گئے ایلوکیشن کو پورا نہیں کرتے ہیں اور ویدیارتھیوں کے اسنتوش کا جو کارن ہے، اس کو دور نہیں

† []Transliteration in Arabic Script

کرتے ہیں تو اس سمسیا کا سمادھان نہیں ہوگا۔

اسکا سمادھان ہم گولی چلاکر نہیں کر سکتے ہیں۔

مہودے،میں آپکے مادھیم سے بنارس ہندو یونورسٹی کو چالو کرنے کی مانگ کرتا ہوں۔ میں یہ بھی مانگ کرتا ہوں کی وہاں جو فائرنگ ہوئی تھی، اسکی جوڈیشیل انکوئری کرائی جائے۔ میں چاہتا ہوں کی سرکار اس معاملے میں جلد سے جلد انٹروین کرکے چھاترو کے اسنتوش کو دور کرے۔

श्री नरेन्द्र मोहन (**उत्तर प्रदेश**) : वहां हालत बहुत खराब हो गई है और यह उत्तर प्रदेश सरकार ने ...(**व्यवधान**)...

श्री विष्णु कांत शास्त्री (**उत्तर प्रदेश**) : मै यह बोलना चाहता हूं कि ...(**व्यवधान**)...

उपसभापति (**श्री अजीत जोगी**) : शास्त्री जी, बिना अनुमति के न बोले ...(**व्यवधान**)... कृपया बिना अनुमति के न बोले। ...(**व्यवधान**)... इससे सम्बद्ध कर लें अपने आपको, सभापति महोदय ने आपको अनुमति नही दी है। ...(**व्यवधान**)... श्री ईश दत्त जी बोलिये। ...(**व्यवधान**)...

श्री ईश दत्त यादव (**उत्तर प्रदेश**) : हमारे साथी शी सलीम साहब ने जो कुछ कहा है वह बिल्कुल सही है और मै इसका समर्थन कर रहा हूं। मान्यवर मासूम विद्यार्थियों पर वहां गोली चलाई गई जिसमें चार विद्यार्थी मारे गए। पूर्वी उत्तर प्रदेश में इसने वहां कर एजीटेशन का रुप धारण कर लिया है और सरकार इसको गंभीरता से नही ले रही है। काशी विश्वविद्यालय को बंद कर दिया गया है। छात्रों को छात्रावास से बाहर निकाल दिया गया है और पठ्न-पाठ्न बिल्कुल बंद कर दिया गया है। इसलिये मान्यवर, मै आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध कर रहा हूं कि सरकार इसको गंभीरता से ले, इसमें हस्तक्षेप करे ताकि यह जो आन्दोलन है यह आगे ने बढने पाए और विश्वविद्यालय मे पठन-पाठन का काम शान्तिपूर्वक चल सके।

श्री एस. एस. आहलुवालिया (**बिहार**) : उपसभाध्यक्ष महोदय, मै मोहम्मद सलीम द्वारा उठाए गये मुद्दे का पूरी तरह साथ देता हूं और आपके माध्यम से मांग करता हूं कि कुछ दिन पूर्व केन्द्रीय गृह मंत्री ने उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर वक्तव्य रखते हुये कहा था कि यह राज्य डिजास्टर की तरफ जा रहा है और आनार्की हो रहा है, लालैसनैस है।। तो मै आपके माध्यम से मांग करता हूं कि वहां जो गैर जिम्मेदार लोगों ने विश्वविद्यालय के प्रांगण में गोली चलाने का आदेश दिया, तो उनके ऊपर क्या कार्रवाई की जा रही है? वहां केन्द्र सरकार का राष्ट्रपति शासन चल रहा है। इस संबंध में केन्द्र सरकार सदन पटल पर एक वक्तव्य रखे और बताए कि ऐसे अफसरों के खिलाफ क्या कार्रवाई शासन ने की है जिन्होंने ऐसे आदेश दिये और गोली चलवाई और पूरा विश्वविद्यालय व छात्रावास बंद कर डाला गया और सील कर दिया गया। मै ज्युडिशियल इंक्वारी के लिये एक कमीशन बैठाया जाए और इंक्वायरी की जाए कि किन हालातों में गोली चलाने के आदेश दिये और वहां पर छात्रो को हताहत किया गया।

श्री नरेन्द्र मोहन : वहां ऐसे कोई हालात थे ही नही, न इतनी हिंसा थी कि पुलिस को गोली चलानी पड़ती। जो गोली चलाई गई वह बिल्कुल गलत तरीके से चलाई गई। एक उपनियम है कि हमारे देश में किन हालातों में पुलिस गोली चलाएगी। ऐसी कोई स्थिति थी ही नही बनारस के अंदर। मै मांग करता हूं कि सर्वोच्य न्यायालय या उच्च न्यायालय के न्याधीश के द्वारा इस प्रकरण की जांच कराई जाए।

उपसभापति (**श्री अजीत जोगी**) : बहुत से माननीय सदस्य इस पर बोलना चाहते है। सब बोल नही सकते। जितने माननीय सदस्य खड़े है इससे इनको सम्बद्ध मान लिया जाता है। ...(**व्यवधान**)...

श्री वसीम अहमद (**उत्तर प्रदेश**) : बात यह है कि बनारस हिन्दु यूनिवार्सिटी में जो वहां के पुलिस अफसरों ने किया है उनके खिलाफ यानी दोषी अधिकारियों को सजा होनी चाहिये और उन तमाम अधिकारियों को बर्खास्त किया जाए। 14 छात्र उसमें घायल हुये है। इससे बड़ी ज्यादती यूनिवर्सिटी के लोगों पर और स्टुडेंट पर क्या हो सकती है। आप दोषी अधिकारियों पर फौरन एक्शन कराइये। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्रीमती चन्द्रकला पांडेव (पश्चिमी बंगाल) : माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय, हमारे वरिष्ठ सांसद सलीम साहब ने जो मुद्दा उठाया है, मै उससे अपने आप को सम्बद्ध करती हूं। इस तरह से शिक्षा संस्थानों में पुलिस को बुला कर मनमानी करना और छात्रों को बेमौत मारे जाने के लिये विवश करना, यह बिल्कुल गलत है और मै इसकी न्यायिक जांच की मांग करती हूं।

श्री मोहम्मद मसूद खान (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मै 23 तारीख को इस घटना के मौका पर गया था। मै दो बातें बताना चाहता हूं। जब पुलिस से भगदड़ मची तो कुछ लोग एक डाक्टर के मकान पर चले गये और वहां पुलिस घुस गई। कुछ लड़के छत पकड़ कर नीचे उतर रहे थे, पुलिस ने उनके सिर पर ऐसा मारा कि वे वही उलट गये और मर गये। वह कॉलेज जहां 12-14 साल के लड़के ट्रेनिग केलिये आते है, वहां होस्टल में घुस कर उनको जगा कर उनको पीटते हुये वे बाहर ले गये। न वहां प्रिसिपल ने पुलिस को बुलाया था और न किसी और ने बुलाया था। ...(**व्यवधान**)... मान्यवर, वहां ए.डी.एम.खुद पिस्तौल चला रहा था। ऐसे सूरते हाल में दोषी लोगों को सजा दी जाए ताकि फिर ऐसी घटना न घटे।

†**شری محمد مسدود خان "اتر پردیش":** مہودے، میں ۲۲تاریخ کو اس گھٹنا کے موقعہ پر گیا تھا۔ میں دو باتیں بتانا چاہتا ہوں۔ جب پولیس سے بھگدڑ مچی تو کچھ لوگ ایک ڈاکٹر کے مکان پر چلے گئے اور وہاں پولیس گھوس گئی۔ کچھ لڑکے چھت پکڑ کر نیچے اتر رہے تھے، پولیس نے انکے سر پر ایسا مارا کہ وہ وہی اولٹ گئے اور مر گئے۔ وہ کالیج جہاں بارہ چودہ سال کے لڑکے ٹرینگ کیلئے آتے ہیں، وہاں ہوسٹل میں گھوس کر انکوں پیٹتے ہوئے وہ باہر لے گئے۔ نہ وہاں پرنسپل نے پولیس کو بلایا اور نہ کسی اور نے بولایا تھا۔ ..."مداخلت"... مانیہ ور، وہاں اے۔ڈی۔ایم۔خود۔پستول چلا رہا تھا۔ ایسے صورت ہال میں دوشی لوگوں کو سزا دی جائے تاکی پھر ایسی گھٹنا نہ گھٹے۔

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): Gurudasji, be very, very brief.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): Sir, Uttar Pradesh is under Presidential rule. If anything happens there, it comes on the shoulders of the Centra] government. Since the Governor is the administrator and Presidential rule is there, the Central Govemment cannot absolve itself of the responsibility of the atrocities and repression that have been let loose. Therefore, the Central Govemment must tell the House what it is going to do to restrain the lawlessness in Uttar Pradesh as we see in the reckless police firing in Varanasi. I want a statement. And, I want the Central Govemment to pull on. Otherwise, there is going to be serious anarchy there. There is already anarchy, and there is likely to be a greater . amarchy. And, Sir, the Governor must be restrained.

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी (उतर प्रदेश) :उपसभाध्यक्ष महोदय, मै भी इस विषय से अपने आप को सम्बद्ध करना चाहता हूं। राजनाथ सिंह जी ने इस मामले को पहले भी उठाया था। हमारी पार्टी का एक दल भी वहां पर गया था। जिस प्रकार की ज्यादतियां न केवल बनारस हिन्दु युनिवर्सिटी में बल्कि उसके आपस –पास के कालेजों में पूर्वी उतर प्रदेश में बड़ा संतोष फैल रहा है। इसलिए मै भी यह मांग करता हूं कि इस पर गृह मंत्री तुरन्त अपना एक स्टेटमेंट इस सदन में दे कि वहां क्या स्थिति है?

श्रीमती वीणा वर्मा (मध्य प्रदेश) : उपसभापति महोदय, मै आपसे इतना ही कहना चाहती हूं कि जो मुद्दा सलीम साहब ने उठाया है, उससे में स्वयं को सम्बद्ध करती हूं। यह बड़े दुख और अफसोस की बात है लेकिन जब हम जाचं की मांग़ कर रहे है तो जांच की कोई समय-सीमा तय की जानी चाहिये कि इतने समय के अंदर जांच हो और यहां पर उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएं।

श्री महोम्मद आजम खान (उतर प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष जी, सलीम साहब ने जी बी.एच.यू. के सिलसिले में मुद्दा उठाया है, मै इससे अपने आप को सम्बद्ध करता हूं और इस बात पर बल देना चाहता हूं कि कई सेट्रल युनिवार्सिटीज में इस तरह के वाकयात हो चुके है और इन सेट्रल युनिवार्सिटीज में....

उपसभाध्यक्ष(श्री अजीत जोगी) : आप इसी तक सीमित रखिए अपने आप को।

श्री महोम्मद आजम खान : जी। यूनियन के आफिस यीयरर्स दिल्ली में एक जगह बैठे है और उन्होंने खुद भी चिंता व्यक्त की है। बी. एच. यू. और एम.यु. दोनों में इस तरह के हालात पिछ्ले चार-पांच सालों से चल रहे है। इसकी न्यूडीशियल इनक्वावरी की मांग हुई है और दोनों ने मिल कर एक बार यह मांग की थी कि बी.एच.यू. और एम.यू. के कैम्पस में होने वाली इन सारी डिस्टवैसेज के लिए बुनियादी जिम्मेदार कौन है?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P.K. JOGI): Do not mention the names of other Universities.

श्री महोम्मद आजम खान : तो मै चाहता हूं कि सी.बी. आई. की जांच अगर हो जाए तो सही हालात का अंदाज हो जाएगा। इस विषय से सम्बद्ध करते हुए मै इस मामले की सी.बी. आई.जांच की मांग करता हूं।

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी) : में समझता हूं कि यह अत्यंत गंभीर मसला है और सभी पार्टियों के सदस्यों ने इसे उठाया है इसलिए शासन इसकी ओर ध्यान दे। गृह मंत्री जी और शिक्षा मंत्री जी इस पर जरुर विचार करें।

श्री सुन्दर सिह भंडारी (राजस्थान) : इस पर एक वक्तव्य आना चाहिए।

श्री एस. एस. अहलुवालिया: हमने स्टेमेट की मांग की है और न्यायिक जांच की मांग की है।

RE: NEED FOR O.N.G.C. TO EXPLOIT THE NATURAL GAS AVAILABLE ALONG INDO-PAK BORDER

श्री सुन्दर सिंह भंडारी (राजस्थान) : उपसभाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सरकार का ध्यान एक बहुत अहम सवाल की ओर दिलाना चाहता हूं। राज्स्थान के जैसलमेर जिले में पाक बार्डर पर बहुत बड़े गैस के भंडार है। यह बात कई वर्षो से कही जा रही है और मांग की जा रही है।

सरकार ने भी विदेशी ड्रिलिगं कम्पनियों को बुलाकर इसमें पहले काम शुरु करवाया था, उस समय भी शकाएं व्यक्त की गयी थी कि जान-बूझकर तथ्यों को प्रकट होने से रोका जा रहा है और ऐसी जगहों पर कुएं खोदे गये जहां तेल गैस की संभावना नही थी और रिपोर्ट आ गयी। वहां का काम खत्म हो गया। अब तो यह मान लिया गया है, इंटनेशनल कम्पनियों ने भी मान लिया है कि वहां पर विशाल गैस के भंडार है और ऐसे भी भंडार है जो हिन्दुस्तान-पाकिस्तान की सीमाओं के आर पार फैले हुए है। पाकिस्तान सीमा से दो किलोमीटर दूर वहां एक बहुत बड़ा आयल रिफाइनरी का कारखाना खुला हुआ है। वहां से वे प्रतिदिन डेढ मिलियन क्यूजिक मीटर गैस निकालना 40 किलोमीटर दूर उनका एक पॉवर प्लांट है, उसको फीड करते है। ओ.एच.जी.सी. ने भी यह मान लिया गया है कि वह रिसोर्स हिन्दुस्तान की सीमा में भी है। अगर ओ.एन.जी.सी. तत्काल पहल करे तो वहां से एक मिलियन क्युजिक मीटर गैस प्रतिदिन निकाली जा सकती है। अभी तक जैसलमेर इलाके में जितनी गैस प्लांट के आधार पर बिजली बन रही है, उस सबकी वह पूर्ति करेगा, इससे भी बड़ी आवश्यकता की पूर्ति हो सकती है। इसलिए मेरा आपके माध्यम से सरकार से आग्रह है कि शीघ्र ओ.एन.जी.सी. के सुपुर्द यह काम किया जाए या और भी किसी से सलाह लेनी हो तो लें और उस क्षेत्र में जो पाकिस्तान से लगा हुआ गैस भंडार है, वहां अपना काम शुरु करके गैस प्राप्त करने की कोशिश की जाए।

श्री सतीश अग्रवाल (राजस्थान) : महोदय, मै भी श्री सुंदर सिंह भंडारी जी के साथ स्वयं को साथ स्वयं को संबद्ध करता हूं और इसके लिए सरकार से पुरजोर मांग करता हूं।

एस.एस. अहलुवालिया (बिहार) : महोदय, मै इसका समर्थन करता हूं । हमारे यहां जब से सैटालाइट लगे है, उससे हम मैचिग कर सकते है कि कहां तेल है और ...तेल नही है, कहा खनिज पदार्थ है। ओ.एन.जी.सी. उसका प्रयोग नही कर रहा है और वह